विकसित और विकासशील देशों में राजनीतिक दल

किसी भी दल के मूल तत्व-

1. विचारधारा
2. नेतृत्व
3. संगठन

विकासशील देशों में
⇓
- व्यक्तित्व का महत्व
- दल तो हैं लेकिन संस्थागत नहीं।
- दल के लक्ष्यों में आधार रखने का प्रयास है।
- सत्ता का वंशानुगत हस्तान्तरण

विकसित देशों में
⇓
- कहीं द्विदलीय प्रणाली तो कहीं पर बहुदलीय प्रणाली है।
↓
ब्रिटेन, U.S.

कैडर पार्टी - दल में अनुशासित, ईमानदार लोगों को शामिल किया जाता है। इसमें पार्टी चलाने हेतु कार्यकर्ता संख्या बढ़ाने पर बल नहीं दिया जाता।

ब्रिटेन की द्विदलीय प्रणाली ⇒ "Mass Party" है।
⇙
दलों की भूमिका कुछ लोग सीमित नहीं करते, ये अपनी संख्या बढ़ाने पर बल देते हैं। ये दल हमेशा अधिकतम प्रदर्शन करते रहते हैं।

Scanned with CamScanner

5

तुलनात्मक राजनीति में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दल व्यवस्था एवं दबाव समूह जैसे गैर-संवैधानिक संस्था के अध्ययन पर बल दिया गया। राज० व्यवस्था की समस्त और पूरी समझ के लिए संविधान का अध्ययन आवश्यक है परन्तु पर्याप्त नहीं। दल व्यवस्था और दबाव समूह राज० व्यवस्था के गैर-संवैधानिक तत्व हैं, जिन अध्ययन के अभाव में राज० व्यवस्था का अध्ययन संभव नहीं है। विकासशील और विकासशील देशों की दलीय प्रणाली में मूलभूत अन्तर देखे जा सकते हैं।

अनेक विकसित देशों में दलीय प्रणाली में विभिन्नता पाई जाती है। मॉरिस डुवरजर ने यूरोपीय दलीय प्रणा का अध्ययन करते हुए अपनी रचना "Political Parties Their organization & Activities In Modern States" में कैडर पार्टी और मास दलों के मध्य अन्तर किया है। कैडर पार्टी की विशेषता बताते हुए डुवर्जर ने कहा -

1. ये संरचनात्मक रूप में कमजोर होते हैं।
2. विशिष्टवर्गीय केन्द्रित होते हैं।
3. विधायिका के बाहर इनका अस्तित्व नहीं पाया जाता।
4.

डुवर्जर ने इन विशिष्ट वर्गों को "Caucus" की संज्ञा दी है।

कैडर पार्टी का उदा० U.S. दलीय व्यवस्था के रूप में देखा जा सकता है जहाँ दलों का कार्य चुनाव में वोट प्राप्त करने तक सीमित होता है।

Scanned with CamScanner

और दलों की सदस्य संख्या बढ़ाने पर बल नहीं दिया जाता। U.S. में "डेमोक्रेट" और "रिपब्लिकन" दलों में वैचारिक आधार पर भी मतभेद नहीं पाए जाते। विचारकों के अनुसार U.S. में एक ही दल पाया जाता है "Democrate Cum Republican" सिग्मण्ड न्यूमैन ने ऐसे दलों को "प्रतिनिधित्ववादी दल" कहा।

ब्रिटिश दलीय व्यवस्था को "Mass Party" के अन्तर्गत रखा जा सकता है और ब्रिटेन में "लेबर पार्टी" और "कन्जर्वेटिव" दल Mass Party के उदा० हैं, जिनकी निम्न विशेषताएं हैं। ① जनसंख्या दल अपनी सदस्य संख्या बढ़ाने का प्रयास करते हैं।

② ये दल अपनी शाखाओं में वृद्धि का प्रयास करते हैं।

③ ये दल मतदाताओं को शिक्षित और प्रशिक्षित करने का कार्य करते हैं।

ओटो कर्चीमार के अनुसार आधुनिक लोकतांत्रिक देशों में अधिकांश दल "Catch All Party" के अन्तर्गत रखे जा सकते हैं। कर्चीमार के अनुसार आधुनिक युग में दलों के मध्य वैचारिक विभाजन संकीर्ण होते जा रहे हैं।

Scanned with CamScanner

और अभी दल सभी (वर्गों के) मतों को प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं इनके अनुसार "जर्मनी क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन" नामक दल, U.S. के रिपब्लिकन और डेमोक्रेट, जर्मनी के Social Democratic और इंग्लैण्ड की लेबर पार्टी सभी "Catch All Party" के उदाहरण हैं।

कॉकस - Ex- U.S.
शाखा - Ex - ब्रिटेन, भारत
पुनर्गठन - Ex - फ्रांस साम्यवादी
मिलिशिया - Ex - हिटलर, मुसोलिनी की पार्टी

मॉरिस डुवर्जर का दलीय व्यवस्था का विश्लेषण -

मॉरिस डुवर्जर ने संरचनात्मक आधार पर दलीय व्यवस्था का विश्लेषण करते हुए निम्न भागों में विभक्त किया - -

(A) कॉकस दल - ये केवल चुनाव के समय मतदाताओं के मध्य मत प्राप्त करने का प्रयास करते हैं, ये केवल चुनाव के समय ही सक्रिय होते हैं, पार्टी नेतृत्व कुछ विशिष्ट लोगों द्वारा संचालित होता है।

(B) शाखा दल - ये दल सदैव सक्रिय रहते हैं अपनी सदस्यता विस्तार हेतु सदैव प्रयासरत रहते हैं। ब्रिटेन और भारत जैसे देशों की दलीय प्रणाली, शाखा के अन्तर्गत सम्मिलित की जा सकती है।

(C) प्रकोष्ठ दल - इन दलों का आधार प्रकार्यात्मक होता है। Ex - पूर्व सोवियत संघ के साम्यवादी दल इसके उदाहरण और शासन के लिए मजदूरों के मतों पर निर्भर थे। प्रकोष्ठ दलों का वैचारिक आधार अत्यधिक सुदृढ़ होता है और ये दल केवल चुनाव में विजय का प्रयत्न नहीं करते अपितु समूची व्यवस्था के परिवर्तन के समर्थक हैं।

(D) नागरिक सेना - ड्यूवर्जर ने इसमें फासीवादी, नाजीवादी लोगों को सम्मिलित किया। दल का संगठन सैन्य प्रणाली पर आधारित होता है। अत्यधिक सुदृढ़ अनुशासन, शक्ति केन्द्रीकरण और व्यक्ति पूजा भी पाई जाती है।

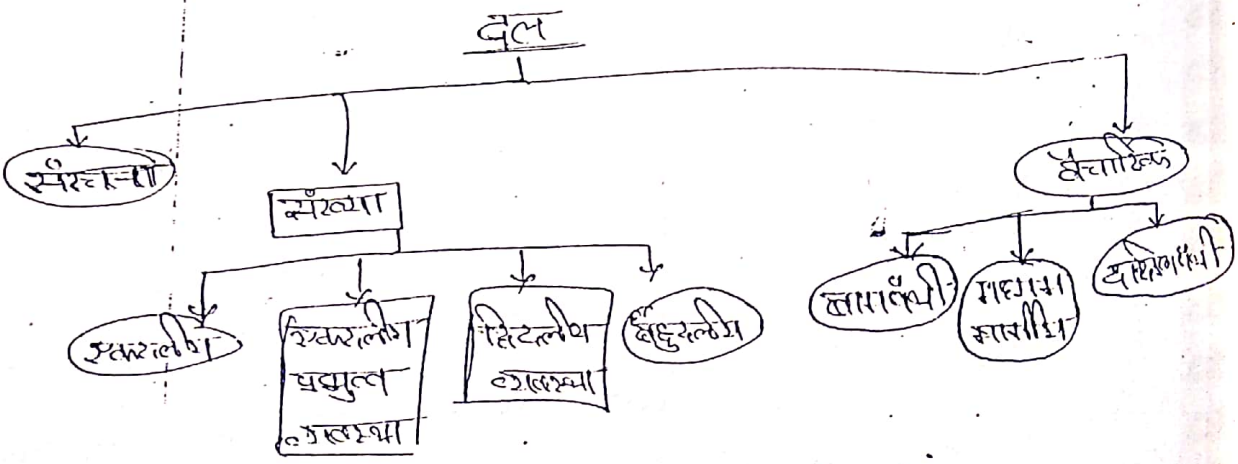

Scanned with CamScanner

पश्चिमी देशों में सोवियत संघ के विघटन और पूर्वी यूरोपीय देशों में साम्यवाद के विघटन के बाद एकदलीय प्रणाली लगभग समाप्त हो गई है यद्यपि कुछ विद्वानों का मानना है कि सोवियत संघ में अभी भी प्रतिस्पर्धी दलीय प्रणाली का विकास नहीं हुआ है। अधिकांश यूरो-एंग्लोसैक्सन विश्व में द्विदलीय व्यवस्था प्रचलित है। U.S., इंग्लैण्ड के अलावा कनाडा आस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैण्ड जैसे देशों में द्विदलीय प्रणाली पाई जाती है। यूरोप के कुछ देशों में एकदलीय प्रभु प्रणाली भी पाई जाती थी, जिसमें स्वीडन, इटली जैसे देश प्रमुख हैं परन्तु 1990 के पश्चात् इन देशों में बहुदलीय प्रणाली ही प्रचलित हो गई। जापान में 1993 से पहले लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी का लगातार 38-वर्षों तक सत्ता में प्रभुत्व बना रहा। अधिकांश यूरोपीय देशों में बहुदलीय प्रणाली भी देखी जाती है। सार्टोरी ने बहुदलीय प्रणाली के मध्य भी वैचारिक आधार पर अन्तर किया है, उन्होंने अपनी रचना "Parties and Party System" में दो प्रकार की बहुदलीय व्यवस्था का उल्लेख किया है -

~~(A) Moderate Polarized Plura~~

~~Plur~~

(A) Polarized Pluralist System

(B) Moderate " "

Scanned with CamScanner

ध्रुवीकृत बहुदलीय व्यवस्था फ्रांस, इटली, स्पेन जैसे देशों में पाई जाती है, इसे ध्रुवीकृत कहा जाता है क्योंकि यहाँ दलों के मध्य वैचारिक विभाजन पाया जाता है। उदारवादी बहुदलीय व्यवस्था का उदा० - नार्वे, नीदरलैण्ड है जहाँ दलों में न्यूनतम वैचारिक विभाजन पाया जाता है।

विकासशील देशों में दलीय व्यवस्था -

विकासशील देशों में दल पाए जाते हैं परन्तु दलीय व्यवस्था का अभाव पाया जाता है। विकासशील देशों में दल० व्यवस्थाएँ अभी भी संक्रमणकालीन स्थिति में हैं। राष्ट्र-निर्माण प्रक्रिया जारी की जा रही है। विकासशील देशों में सभी राज्यों में लोकतांत्रिक शासन नहीं है ∴ दलीय प्रणाली में स्वाभाविक भिन्नता पाई जाती है। चीन और क्यूबा जैसे देशों में एकदलीय प्रणाली है। वर्तमान में दo एशियाई राज्यों में पुन: लोकतंत्र बहाली हुई है और बांग्लादेश में दो दलों का मुख्य प्रभुत्व है जिनमें "आवामी लीग" और बांग्लादेशी नेशनलिस्ट पार्टी मुख्य हैं। श्रीलंका में :- श्रीलंका फ्रीडम पार्टी और यूनाईटेड नेशनलिस्ट पार्टी० मुख्य हैं।

1990 के बाद लैटिन अमेरिकी देशों में भी बहुदलीय व्यवस्था का विकास हो रहा है जिसमें ब्राजील और मैक्सिको जैसे देश मुख्य है। S.A. में "अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस" का एकदलीय प्रभुत्व है। म्यांमार में सैनिक शासन होने के कारण आंग सान सू की की पार्टी नेशनल लीग फार डेमोक्रेसी को प्रतिबन्धित कर दिया गया है। द. पूर्वी एशियाई देश- मलेशिया, इण्डोनेशिया में बहुदलीय व्यवस्था का विकास हो रहा है।

भारत विकासशील देशों में उन कमजोर राज्यों में सम्मलित है जहाँ लोकतंत्र स्थायी और व्यापक हुआ। भारत तीसरी दुनिया के देशों में लोकतंत्र का एक मॉडल समझा जाता है परन्तु भारत में भी दलीय प्रणाली में उतार चढ़ाव देखी जा सकती है। स्वतंत्रता के बाद महात्मा गांधी, J.P. नारायण, M.N. राय जैसे नेताओं ने भारत में दलविहीन लोकतंत्र का समर्थन किया, परन्तु व्यावहारिक रूप में भारत में दलविहीन लोकतंत्र का प्रयोग सम्भव नहीं था।

समाजवादी चिन्तक अशोक मेहता के अनुसार भारत में विपक्षी दल की भूमिका यूरोपीय दल की भाँति नहीं हो सकती यहाँ भूमिका सहयोगात्मक होनी चाहिए, विरोधी नहीं। 1952-67 तक भारत में कांग्रेस का एकदलीय प्रभुत्व दिखता था।

Scanned with CamScanner

प्र-5 वर्तमान समय में भारत में एकदलीय प्रभुत्व समाप्त हो गया और बहुदलीय व्यवस्था उभर चुकी है जिसमें क्षेत्रीय दलों की भूमिका अत्यधिक निर्णायक एवं महत्वपूर्ण है। अतः भारत में अलग-2 कालखण्डों में अलग-2 दलीय प्रणाली का अस्तित्व देखा गया।

विकासशील देशों में दलों की नीतियों में स्पष्टता नहीं पाई जाती ∴ जब वे सत्ता में रहते हैं तो उनकी मान्यताएँ भिन्न होती है परन्तु जब वे विपक्ष में आ जाते हैं तब उनकी नीति अलग हो जाती है। विकासशील देशों में दलों के आर्थिक राज. और आर्थिक मुद्दों पर उनकी की स्पष्ट दृष्टिकोण का अभाव है ∴ कुछ दल उदारीकरण के समर्थक हैं तो अन्य दल उसका दूर विरोध करते हैं। विकासशील देशों में दलीय प्रणाली में व्यक्तित्व की भूमिका अभी भी महत्वपूर्ण है। संगठन एवं विचारधारा के बजाय व्यक्तित्व का महत्व ज्यादा होता है। सामान्यत दलों में आन्तरिक लोकतंत्र का अभाव पाया जाता है।

विकासशील देशों में राज्य का
सामाजिक, आर्थिक रूप से समाज का
करना है ∴ राज्य की भूमिका इन सम
केन्द्रीय होती है और प्रत्येक पक्ष
कार्यों के लिए निरन्तर संचालित
विकासशील देशों में दलों का सम्बन्ध
धर्म जैसे पूर्व आधुनिक मान्यताओं
होते है ∴ समाज में दलों के द्वारा
साम्प्रदायिक, जातीय और क्षेत्रीय संबंध
परिवर्तित हो जाता है।